कोटद्वार, मंगलवार
12 दिसम्बर 2023
वर्ष: 45
अंक: 221 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
ज
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मोदी सरकार के एक और फैसले पर 'सुप्रीम' मुहर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा— आर्टिकल 370 हटाना सही

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को हटाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुना दिया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि केंद्र के फैसले पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

सीजेआई ने कहा कि राज्य की ओर से केंद्र द्वारा लिया गया हर निर्णय चुनौती के अधीन नहीं है। इससे अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी और राज्य का प्रशासन ठप हो जाएगा।

अभिन्न अंग है जम्मू–कश्मीर– सीजेआई

अनुच्छेद 370 मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 370 जम्मू–कश्मीर के संघ के साथ संवैधानिक एकीकरण के लिए था और यह विघटन के लिए नहीं था और राष्ट्रपति घोषणा कर सकते हैं कि अनुच्छेद 370 का अस्तित्व समाप्त हो गया है।

आर्टिकल 370 को हटाना संवैधानिक तौर पर सही— सीजेआई

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आर्टिकल 370 हटाने का फैसला बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि 370 को हटाना संवैधानिक तौर पर सही है। राष्ट्रपति के पास फैसले लेने का अधिकार है।

आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जज संजय किशन कौल, जज संजीव खन्ना, बीआर गवई और जज सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को रद करने वाले केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा। सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा लिया गया फैसला वैध है। भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू–कश्मीर पर लागू हो सकते हैं। सीजेआई ने कहा कि जम्मू–कश्मीर की संविधान सभा की सिफारिश भारत के राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी नहीं है। सीजेआई ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए। सीजेआई ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि चुनाव आयोग 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू–कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने के लिए कदम उठाए। सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रपति के लिए जरूरी नहीं कि जम्मू–कश्मीर संविधान सभा की सिफारिश पर ही 370 पर कोई आदेश जारी करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 370 का अस्तित्व समाप्त होने की अधिसूचना जारी करने की राष्ट्रपति की शक्ति जम्मू–कश्मीर संविधान सभा के भंग होने के बाद भी बनी रहती है।

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले पर उच्चतम न्यायालय की मुहर देश हित में : सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय का जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के संबंध में दिया गया फैसला केंद्र सरकार के देश हित एवं जम्मू–कश्मीर व लद्दाख के समग्र विकास हेतु लिए गए निर्णय पर मुहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जो ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किया गया उसे आज माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी सही ठहराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले से जम्मू–कश्मीर के लोग देश की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे तथा राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही निवेश बढ़ेगा तथा राज्य के हर क्षेत्र में विकास के नए द्वार खुलेंगे।

प्रान्तीय रक्षक दल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैतिक परेड में शामिल हुए सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को तपोवन रोड, देहरादून में प्रान्तीय रक्षक दल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैतिक परेड में शामिल होकर रैतिक परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पीआरडी के घोषवाक्य ह्यअहमस्मि योधःह्ल का लोकार्पण किया और पीआरडी स्वयं सेवकों के आश्रितों को सहायता राशि का वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने सभी को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पीआरडी. स्वयंसेवकों द्वारा रैतिक परेड में किए गए मार्च पास्ट का प्रदर्शन अत्यंत ही मनोहारी था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 05 घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को प्रत्येक 02 वर्ष पर 01 गर्म वर्दी एवं 01 सामान्य वर्दी विभाग द्वारा दी जायेगी। पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को प्रशिक्षण एवं पुर्नप्रशिक्षण के समय दी जानी वाली वर्दी की दर 1500 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए की जाएगी। सभी पंजीकृत ड्यूटी पर तैनात पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को होमगार्ड स्वयं सेवकों की भांति 200 रुपए प्रतिमाह ड्यूटी दिवस के अनुमानित में धुलाई भत्ता दिया जायेगा। विकासखण्ड स्तर पर तैनात ब्लाक कमाण्डर एवं न्याय पंचायत स्तर पर तैनात हलका सरदार का मासिक मानदेय क्रमशः 600 रुपए एवं 300 से बढ़ाकर प्रतिमाह

1000 रुपए एवं 500 रुपए किया जायेगा। आपदा बचाव कार्य में तैनात पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को 50 रुपए प्रतिदिन की दर से अतिरिक्त मानदेय दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवक अपनी निरंतर सेवा और समर्पण भाव से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहयोग कर रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा कार्य, आपदा प्रबंधन और यातायात व्यवस्था में पीआरडी द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पी.आर.डी. स्वयं सेवकों के हित में कई कदम उठाए हैं। पी.आर.डी. स्वयंसेवकों के मृतक आश्रितों के पंजीकरण हेतु शासनादेश जारी किया गया है। अभी तक 116 मृतक आश्रितों को पंजीकृत किया गया है, इनमें से 70 मृतकों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया गया है, जिसमें 25 महिलाएँ भी शामिल हैं। प्रान्तीय रक्षक दल कल्याण कोष संशोधित नियमावली अगस्त 2023 में प्रख्यापित की गई है। जिसमें आर्थिक सहायता की धनराशि में वृद्धि करते हुए साम्प्रदायिक दंगो के दौरान ड्यूटी पर मृत्यु की दशा में देय एक लाख रुपए को बढ़ाकर 02 लाख किया गया है। इसके साथ ही अति संवेदनशील ड्यूटी में मृत्यु की दशा में देय 75 हजार रुपए को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए किया गया है। सामान्य ड्यूटी के दौरान मृत्यु की दशा में देय 50 हजार को बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है। प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान के लिए भी संबंधित अधिकारी की संस्तुति पर अधिकतम 50 हजार रुपए का प्राविधान किया गया है, जिससे सीधे तौर पर पीआरडी जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भी पीआरडी स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट कार्य किया। जिसके सम्मान में सरकार द्वारा 4651 पी.आर.डी. स्वयंसेवकों को पुरस्कार स्वरूप 6 हजार प्रति स्वयंसेवक प्रदान किये गए थे।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा पिछले दो वर्षों से प्रान्तीय रक्षक दल का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए अनेक सुविधा देने के प्रयास किये गये हैं। राज्य की चारधाम यात्रा, कावंड़ और समय–समय पर आई आपदाओं में पीआडी स्वयं सेवकों द्वार अपने कार्यों के बल पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एक नजर

शिशु मंदिर प्री नर्सरी के बच्चों ने वार्षिकोत्सव में प्रतिभा का प्रदर्शन किया

देहरादून। महात्मा योगेश्वर सरस्वती शिशु विद्यामंदिर इंटर कालेज में प्री नर्सरी के बच्चों ने ब्लिगिंग लिटिल स्टार कार्यक्रम के तहत अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। महात्मा योगेश्वर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कालेज के सभागार में आयोजित प्री नर्सनी वार्षिकोत्सव में ब्लिंगिंग लिटिल स्टार कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गांधी निवास सोसायटी के अध्यक्ष शैलेंद्र कर्णवाल, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मदन मोहन शर्मा व प्रधानाचार्य मनोज रयाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति मां सरस्वती वंदना से की गई। इसके बाद प्री नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी, प्रथम व द्वितीय कक्षा के नन्ने मुन्ने छात्र छात्राओं ने एक से बढकर एक नृत्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने जहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया वही संदेश प्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि गांधी निवास सोसायटी के अध्यक्ष शैलेंद्र कर्णवाल ने कहाकि विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति देकर जहां अपनी प्रतिभा का परिचय दिया जिसे देख कर अभिभावक भी प्रसन्न होंगे कि उनके बच्चे विद्यालय में पढाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में भी बढ चढ कर प्रतिभाग कर रहे हैं। इसके पीछे विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित शिक्षक शिक्षिकाओं की कड़ी मेहनत है जिसके लिए वे बधाई के पात्र है। उन्होंने यह भी कहा कि शीघ्र ही विद्यालय में दो कंप्यूटर कक्ष का शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें चालीस कंप्यूटर रखे गये हैं। वही एक पुस्तकालय बनाया गया है।

धाद संस्था ने माल्टे, नारंगी के समर्थन में किया माल्टे का महीना अभियान शुरू

देहरादून। विश्व पहाड़ दिवस पर धाद संस्था द्वारा उत्तराखंड के फल उत्पादकों के समर्थन में माल्टे पर 40 रुपये व नारंगी पर 60 रुपये जन समर्थन मूल्य पर लोगों को खरीददारी के लिए आमंत्रित किया गया। गांधी पार्क में इसी के साथ धाद संस्था ने फंची कार्यक्रम के तहत माल्टे का महीना(11 दिसम्बर से 14 जनवरी) अभियान की भी शुरूआत की है। संस्था का उद्देश्य सरकार को यह बताना है कि माल्टे व नारंगी पर सरकार से काफी कम समर्थन मूल्य तय किया है, जिससे उत्पादकों को कोई फायदा नही, जबकि लोग इसे अच्छी कीमत भी हाथों–हाथ खरीद रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी सर्दियों में पहाड़ में माल्टे के साथ गलगल, नारंगी के पेड़ लदे हुए हैं। यह फल अपने खट्टे मीठे स्वाद के साथ लोगों के जेहन में रहता ही है। पुरानी पीढ़ी के लोग इन फलों के साथ अपने अतीत को याद करते हैं। विटामिन सी की खुराक के साथ ही त्वचा, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए फायदेमंद रहे इन फलों को अपने खट्टे मीठे स्वाद के साथ देश दुनिया के बाजार तक जिस फल को पहुंचना चाहिए था वह अपने ही राज्य में उपेक्षित है। हिमालय के नैसर्गिक वातावरण में पैदा माल्टा, नारंगी आज स्थानीय लोगों के आहार से भी लगभग गायब हो चला है।

वन भूमि हस्तांतरण के कारण विकास कार्य न रूके : डीएम

पेयजल निगम और लोनिवि के अधिशासी अभियंता का स्पष्टीकरण किया तलब

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने सोमवार को वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में वन भूमि हस्तांतरण के कारण कोई भी विकास कार्य न रूके। वन भूमि हस्तांतरण की महत्वपूर्ण बैठक में पेयजल निगम गोपेश्वर के अधिशासी अभियंता और लोनिवि कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता के उपस्थित न रहने पर उनका स्पष्टीकरण भी तलब किया गया।

डीएम ने कहा कि विभागीय अधिकारी स्वयं लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए प्रभागीय वनाधिकारी से संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर जिला स्तर से प्रस्ताव शासन को भेजें। किसी कारण से जो प्रकरण निरस्त होने है उनको निरस्त किया जाए। ऐसे प्रकरण जिनमें आपत्तियां लगी है, उनका तत्काल निस्तारण करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस

दौरान लोनिवि, पीएमजीएसवाई, जल निगम, जल संस्थान, सिंचाई, पिटकुल आदि विभागों के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में वन भूमि हस्तांतरण के सैद्धान्तिक स्वीकृति हेतु लंबित प्रकरणों की जानकारी देते हुए बताया गया कि जनपद के अन्तर्गत कुल 41 वन भूमि हस्तांरण के प्रस्ताव विभिन्न स्तर पर लंबित है। जिसमें से प्रस्तावक विभाग के पास 21, प्रभाग के पास 04, वन संरक्षक स्तर पर 05, नोडल अधिकारी स्तर पर 09 तथा राज्य व भारत सरकार के स्तर पर एक-एक प्रस्ताव प्रक्रिया में है। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान सहित लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, जल संस्थान, जल निगम के अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।

कैंट विधानसभा में तीन नए ट्यूबवेल स्वीकृत

देहरादून। कैंट विधानसभा में छह नए ट्यूबवेल स्वीकृति के बाद आगामी गर्मियों में क्षेत्र के बड़े हिस्से में पेयजल संकट से निजात मिल जाएगी। चालीस से पचास हजार से अधिक की आबादी को नए ट्यूबवेलों का सीधा लाभ मिलेगा। कैंट विधानसभा के टीचर्स कॉलोनी, दीनदयाल उपाध्याय, कौलागढ़, इंदिरानगर, त्रिजल विहार में नए ट्यूबवेल ने काम शुरू कर दिया है। इससे इन इलाकों के हजारों पेयजल उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सर्दियों में पानी की डिमांड घट जाती है। इन ट्यूबवेल की असली परीक्षा गर्मियों के समय होगी, जब डिमांड बढ़ेगी। वहीं विधानसभा क्षेत्र के राम विहार, आशीर्वाद एन्क्लेव, पटेल नगर में रेन बसेरा के समीप तीन ओर नए ट्यूबवेल को भी स्वीकृति मिल गई है। कैंट विधायक सविता कपूर ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनके प्रत्यावेदन पर त्वरित कार्रवाई करवाकर क्षेत्र के पेयजल उपभोक्ताओं की पीड़ा को समझा है। इससे करीब 15 से बीस हजार की आबादी को सीधे तौर पर राहत मिलेगी वहीं दूसरे अन्य ट्यूबवेलों पर दबाब कम होगा। सविता कपूर ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ती आबादी के चलते उन्होंने पांच नए ट्यूबवेलों की मांग की थी। जिसमें से तीन को स्वीकृति मिल चुकी है।

मुख्यमंत्री धामी ने किया गढ़वाल संभाग के अनुसूचित जाति जनप्रतिनिधि सम्मेलन में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जीएमएस रोड स्थित एक होटल में गढ़वाल संभाग के अनुसूचित जाति जनप्रतिनिधि सम्मेलन में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने अनुसूचित, दलित और वनवासी समाज के लिए अस्तित्व, अस्मिता और आत्मनिर्भरता का जो मंत्र दिया था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उसका प्रसार पूरे देश में हो रहा है। पंडित दीनदयाल के अन्त्योदय के सिद्धांत के आधार पर समाज के अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति जब सत्ता के सिंहासन पर बैठेगा तो वह अंत्योदय से राष्ट्रोदय का समय होगा। उन्होंने कहा कि रामनाथ कोविंद और फिर द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना उनके द्वारा देखे गए स्वप्न का साकार होना है। छत्तीसगढ़ के नामित मुख्यमंत्री भी आदिवासी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का बेहतरीन सम्मान भी है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार अनुसूचित

समाज का मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अनुसूचित समाज का भी अहम योगदान रहा है। आज तक जनजातीय समाज के राष्ट्र निर्माण में किए गए योगदान की जानकारी से देश को अंधेरे में रखा गया और अगर बताया भी गया तो बहुत ही सीमित दायरे में बताया गया। परंतु आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जाग चुका है और अब कोई भी इसकी संस्कृति और इतिहास के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले सरकारों में अनुसूचित, दलित और जनजातीय समाज को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी थी तथा इस समाज के व्यावसायिक हितों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। 2014 के बाद से देश में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अनुसूचित, दलित, शोषित और आदिवासी समाज के विकास के लिए कई नये प्रयोग किए। आज चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या चिकित्सा का क्षेत्र हो, अनुसूचित, दलित और जनजातीय समाज के हितों का ध्यान रखकर ही देश व प्रदेश की सरकारें अपनी समस्त योजनाएं बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पिछले नौ वर्षों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के लिए कई ऐसी योजनाओं को लागू किया है, जिनसे समाज के ये वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें। हर साल एससी और एसटी के कल्याण के लिए आम बजट में जहां आवश्यक बढ़ोतरी की गई, वहीं उनकी आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थित को मजबूत करने के लिए कई बड़े फैसले भी लिए गए।

महाराज ने की 7708.27 करोड़ लागत की टिहरी झील रिंगरोड परियोजना की समीक्षा

राजकीय मेलों को मिलने वाले अनुदान के शीघ्र भुगतान के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की नियमावलियों पर चर्चा के साथ-साथ संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक और टिहरी झील प्रोजेक्ट की अभी तक की प्रगति की समीक्षा की गई। श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की बैठक के पश्चात संस्कृति मंत्री श्री महाराज ने अधिकारियों को संस्कृति विभाग में कलाकारों के लम्बित भुगतानों को शीघ्र करने और राजकीय मेलों को मिलने वाले अनुदान का भुगतान किए जाने के भी निर्देश दिए। पर्यटन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में फीजिबिलिटी सर्वेक्षण हेतु अनुबंध गठित का सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है परियोजना के कोठी से डोगरा चांटी सेतु तक के भाग पर उत्तराखंड पर्यटन निदेशालय देहरादून के द्वारा डीपीआर तैयार करने की कार्यवाही चल रही है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में सोमवार को गढ़ी कैण्ट स्थित पर्यटन विकास परिषद में श्री बद्रीनाथ-श्री केदारनाथ मंदिर समिति की नियमावलियों पर चर्चा करने के साथ-साथ संस्कृति विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने के अलावा टिहरी झील प्रोजेक्ट की अभी तक की प्रगति की समीक्षा सहित तीन-तीन बैठकें कर अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तायुक्त कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने सर्वप्रथम श्री बद्रीनाथ-श्री केदारनाथ मंदिर समिति की बैठक में प्रस्तावित कर्मचारी सेवा नियमावली पर चर्चा करने के साथ-साथ मंदिर समिति में कार्यरत हक-हकूकधारियों, डिमरी, पुजारीगण, समालिया, भण्डारी आदि पदों के संबंध में विचार विर्मश किया।

पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने 7708.27 करोड की लागत से टिहरी झील के चारों ओर रिंगरोड हेतु फिजीबिलिटी, सरेखण, सर्वेक्षण, भूमि अधिग्रहण की अभी तक की प्रगति की भी समीक्षा की। कैबिनेट मंत्री श्री महाराज ने बताया कि टिहरी जलाशय के 42 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में चारों ओर सम मोटर मार्ग के निर्माण और मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु 234.60 किमी. रिंगरोड हेतु 214.60 किमी. भूमि जिसकी अनुमानित लागत 124.96 करोड़ है का निर्माण किया जाएगा। जिससे जनपद के 173 गांव की लगभग 84000 आबादी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होगी। साथ ही चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्री भी इस रिंग रोड का मुख्य व वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रिंग रोड के निर्माण से टिहरी बांध जलाशय में जहां ढिशुम विधि से आने वाले पर्यटक ओके लिए आसानी होगी वहीं वर्ष भर जल किरण तथा साहसिक खेलों का आयोजन संभव हो पाएगा और सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति होगी। बैठक में बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, एसीओ पर्यटन युगल किशोर पंत, संस्कृति एवं धर्मस्व अनुभाग अधिकारी नीरज मल, वित्त नियंत्रक पर्यटन जगत सिंह चौहान, संस्कृति निदेशक बीना भट्ट, वीडी सिंह, रमेश रावत और योगम्बर सिंह आदि मौजूद थे।

समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरे पूर्व सैनिक, जन आंदोलन की दी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जल्द मालन पुल निर्माण करवाने सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर पूर्व सैनिकों ने आक्रोश रैली निकाली। पूर्व सैनिकों ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर जन आंदोलन चलाने की चेतावनी दी है। कहा कि शहर की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन-प्रशासन समस्याओं को

लालढांग मोटर मार्ग मरम्मत सहित मालन पुल निर्माण की उठाई मांग

लेकर लापरवाह बना हुआ है।

पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को पूर्व सैनिक व आम जन चिल्लरखाल में एकत्रित हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि शहर कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। समस्याओं के निस्तारण को लेकर प्रशासन लापरवाही दिखा रहा है। कहा कि कोटद्वार से भाबर क्षेत्र को जोड़ने वाले मालन पुल को ढ़हे लंबा समय बीत गया है। भाबर वासियों को अपने

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में आक्रोश रैली निकालते पूर्व सैनिक

गंतव्य स्थान तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करने पर भी जोखिम बना हुआ है, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई पहल नहीं हुई है। लालढ़ांग-चिलरखाल मोटर मार्ग के साथ ही कोटद्वार में मेडिकल कालेज की स्थापना अभी तक नहीं हो पाई है।

साथ ही कोटद्वार विधानसभा के लिए की गई घोषणाएं भी धरातल पर नहीं उतर पाई हैं। इस कारण पूर्व सैनिकों सहित आम जन में आक्रोश है। चेतावनी दी कि शहर की समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन को उग्र किया जायेगा। रैली के पश्चात उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। रैली में समिति अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत, आरपी पंत, देवेंद्र सिंह रावत, मदन सिंह, अनुसूया प्रसाद सेमवाल, सुभाष कुकरेती, प्रमोद रावत, दौलत सिंह रावत और प्रेम सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में आम जन शामिल रहे।

समाज के अधिकारों को संघर्ष करेगा संगठन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैल शिल्पी विकास संगठन के स्थापना दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्यों ने समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाजिक कार्यों के लिए राजेश सिंह राज कोली को शैल शिल्पी जन सरोकार सम्मान दिया गया।

स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि जिला पंचायत पौड़ी अध्यक्ष शांति देवी ने संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में संगठन का विस्तार किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रो. वी सी शाह ने शिल्पकार समाज के कम होते अधिकारों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारों के लिए संघर्ष किया जाना चाहिए। इस दौरान सभी वक्ताओं ने संगठन का विस्तार करते हुए सभी जनपदों में शाखाएं स्थापित करने की बात कही। अध्यक्ष विकास आर्य ने संगठन द्वारा अब तक किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया। मौके पर समाज सेवी राजेश सिंह राजा कोली को सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने पर शैल शिल्पी जन सरोकार सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख खिर्सू भवानी गायत्री, अनूप कुमार, सतीश प्रकाश, के सी राम निराला, जगदीश राठी, मनवर लाल भारती, सोहन लाल,

स्कूली बच्चों ने निकाली मतदान जागरूकता रैली

सतपुली : लोकसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग का मतदान जागरूकता अभियान जारी है। सोमवार को आयोग के निर्देशन में अभियान के तहत राजकीय इंटर कॉलेज सतपुली के छात्र-छात्राओं ने जन जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में वोट देने की अपील की तख्तियां लेकर चल रहे थे। रैली में छात्रों ने मतदान हमारा अधिकार जैसे नारों के साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोंगो को जागरुक भी किया। रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई स्कूल में समाप्त हुई। प्रधानाचार्य हेमचन्द्र केष्टवाल ने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। भारत के नागरिकों को शत प्रतिशत मतदान देकर एक सशक्त सरकार का निर्माण करने में अहम भूमिका निभाना चाहिए। देश के हर नागरिक जिनकी उम्र 18 र्ष या उससे अधिक हो गई है वह सब अपनी मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराए। रैली में प्रधानाचार्य हेमचन्द्र केष्टवाल, नोडल अफसर जयपाल दत्त शर्मा, दयकिशोर, राम अवध, गब्बर सिंह, मुकेश कुमार, प्रताप सिंह, जगमोहन सिंह, आरती, ज्योति आदि शिक्षक शामिल रहे।

14 मॉडलों का राज्य स्तर के लिए हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस प्रतियोगिता में 14 मॉडलों का राज्य स्तर के लिए चयन हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में 67 मॉडल प्रस्तुत किए गए थे। विद्यालय परिसर में चल रही जिला स्तर की प्रतियोगिता में निर्णायकों ने प्रदर्शित में 67 मॉडल परियोजना का गहन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया। इसमें से जूनियर व सीनियर वर्ग में श्रेष्ठ 14 परियोजनाओं को राज्य स्तर के लिए चयनित किया गया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में स्वास्थ्य और कल्याण के लिए तकनीकी नवाचार विषय में दिव्यांशु, परितंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाएं में आइशा बौड़ाई, अपने परितंत्र को जाने विषय में सुहानी डंडियाल, सीनियर वर्ग में अरूषि मंजेड़ा, महक, रानी, निधि सहित अन्य विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट चयनित किए गए। समापन पर बाल विज्ञानियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजकीय इंटर कालेज झंडीचौड़ के प्रधानाचार्य विजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि सफलतम छात्र दोगुनी मेहनत के साथ राज्य स्तर के लिए तैयारी करें। इस मौके पर जिला समन्वयक राजेंद्र सुंद्रियाल, प्रधानाचार्य मुकेश रावत, डा. पद्मेश बुडाकोटी, सुरजीत रावत, श्रवण रावत, सरिता रौतेला, अजय बिष्ट, पूनम रावत, अनिल काला, पूनम पांथरी आदि मौजूद रहे।

मालन पुल पुनर्निर्माण की कवायद शुरू, विशेषज्ञों ने किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालन पुल के पुनर्निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। रविवार को आईआईटी बीएचयू के विशेषज्ञों ने क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण किया। पुल के पिल्लर वेल फाउंडेशन तकनीक पर बनाए जाएंगे। जबकि, अन्रू स्ट्रक्टर पुराना ही रहेगा।

मालूम हो कि वर्षाकाल के दौरान मालन नदी पर बना पुल धराशायी हो गया था। जिसके बाद कोटद्वार व भाबर के लिए आवाजाही करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद लोक निर्माण विभाग ने धराशायी पुल के समीप वैकल्पिक मार्ग तैयार किया। ऐसे में पुल के पुनर्निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। डिजायन के साथ ही निर्माण के लिए बनाई गई डीपीआर को शासन को भेज दिया गया है। शासन से स्वीकृति मिलते ही टेंडर निकाल दिए जाएंगे। रविवार को आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर केके

मालन नदी का धराशायी पुल

पाठक की अगुवाई में विशेषज्ञों के दल ने मालन नदी में पहुंचकर धरातलीय निरीक्षण किया। उनके साथ लोनिवि के अधीक्षण अभियंता पीएस बृजवाल और अधिशासी अभियंता डीपी सिंह मौजूद थे।

अधिशासी अभियंता डीपी सिंह ने बताया कि मालन पुल पर तमाम अध्ययन के बाद आईआईटी बीएचयू के विशेषज्ञों ने पुल का डिजाइन फाइनल कर लिया है। पुल के सभी 12 पिलर को वेल फाउंडेशन तकनीक पर बनाया जाएगा। पिलर को छोड़कर अन्य स्ट्रक्चर पुराना ही रहेगा जिसे मशीनों से उतारा और रखा जाएगा। पुल के निर्माण के लिए 28.01 करोड़ की लागत आएगी।

महाविद्यालय पर भ्रष्टाचार का आरोप, जांच की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वंदे मातरम संगठन ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पर निष्प्रोज्य सामग्री बेचने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल के नेतृत्व में सदस्यों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। कहा कि वर्ष 2022-23 में महाविद्यालय ने निष्प्रोज्य सामग्री बेची थी। यह सामग्री बाजार भाव से काफी कम दामों में बेची गई, जब छात्रसंघ को सामग्री बेचने में संदेह हुआ तो उन्होंने इसकी सूचना मांगी, जिसमें मालूम पड़ा कि सामग्री बेचने में बड़ा खेल हुआ है। जब इस संबंध में महाविद्यालय से वार्ता की गई तो अधिकांश गोल-मोल जवाब देने लगे। बताया कि यदि मामले की गंभीरता से जांच की जाएं तो यह एक बड़ा भ्रष्टाचार निकलकर आएगा। कहा कि शिक्षा के मंदिर में इस तरह का भ्रष्टाचार किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। ज्ञापन देते वालों में छात्रसंघ अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, अजय, अनुज, निखिल आदि मौजूद रहे।

पुराने कलेक्ट्रेट की जगह पार्क बनाने की मांग

पौड़ी : पूर्व विधायक एवं निवर्तमान पालिका अध्यक्ष ने जिला मुख्यालय स्थित पुराने कलेक्ट्रेट भवन की जगह पार्क बनाएं जाने की मांग की है। कहा कि पार्क बनने से स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी।

पूर्व विधायक एवं निवर्तमान पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम ने कहा है कि अब कलेक्ट्रेट का नया भवन बन गया है। शहर के बीच में स्थित होने की वजह से अब पुराने कलेक्ट्रेट भवन की जगह पार्क का निर्माण किया जाना चाहिए। बेनाम ने कहा कि कोर्ट ने भी गांधी पार्क और इससे लगे पुराने कलेक्ट्रेट भवन की भूमि को पालिका को हस्तांतरित करते हुए यहां दिसंबर 2015 तक पार्क निर्माण पूरा करने को कहा गया था। इस संबंध में डीएम पौड़ी ने भी नवंबर 2015 को पालिका को पत्र भेजा था। लेकिन तब अल्प समय में पालिका चालानी धनराशि को जमा नहीं कर सकी। इस बीच 2021 में इस भवन को हेरीटेज भवन के तरह संरक्षित करने को लेकर सीएम की घोषणा हो गई। अब पुराने कलेक्ट्रेट भवन को हेरीटेज बिल्डिंग बनाएं जाने को लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारियां भी तकरीबन पूरी कर ली है। बेनाम ने मांग कि इस स्थान पर पार्क का निर्माण किया जाए।

जनसहभागिता से ही आग से बचेंगे जंगल

पौड़ी : जंगलों को आग से बचाने को लेकर द हंस फाउंडेशन के तत्वावधान में द्वारीखाल ब्लॉक के देवीखेत में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मकसद गांवों में फायर फाइटर तैयार करना है। प्रशिक्षण में 15 ग्राम पंचायतों के वन सरपंचों और ग्राम प्रधानों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में वन रेंज चैल्यूसैंण वन विभाग के प्रशिक्षक वन दरोगा सुरमान सिंह, वन बीट अधिकारी मुकुल कुमार और अशोक कुमार ने वनाग्नि पर अंकुश लगाने को लेकर आवश्यक जानकारियां दी। बताया कि हर साल आग से जंगलों की बहुमूल्य वन संपदा को भारी नुकसान होता है। जनसहभागिता से जंगलों को आग से बचाया जा सकता है।

विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

पौड़ी : केंद्रीय विद्यालय पौड़ी में सोमवार को बड़े हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या अनीता बिष्ट ने विद्यालय के शिक्षकों व बच्चों की कड़ी मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए बच्चों प्रेरित किया।खेल प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं के लिए रिले रेस, सैक रेस, लंबी कूद, रस्सा-कस्सी आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने खेलों के महत्व के बारे में बताया व छात्रों को खेल भावना से खेल खेलने हेतु प्रतिज्ञा दिलवाई। इस दौरान प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर शिक्षिका पुष्पलता आर्य, शारीरिक शिक्षक धीरेंद्र सिंह सिरोही आदि शामिल रहे।

गढवाल विवि में शिक्षकों व छात्रों ने सुना पीएम का संबोधन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये विकसित भारत-2047ः वॉयस ऑफ यूथ पोर्टल लांच किया। गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल के नेतृत्व में बिड़ला परिसर के एसीएल सभागार में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री को सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरा दृष्टिकोण देश के लिए राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में युवा पीढ़ी को सक्रिय रूप से शामिल करना है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप ही विकसित भारत 2047 युवाओं की आवाज पहल देश के युवाओं को विकसित भारत के दृष्टिकोण में विचारों का योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

एक दिन बिक जायेगा माटी के मोल...

धूमधाम से मनाया गया हैप्पी होम स्कूल का वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हैप्पी होम स्कूल का 50वां वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वाल लोकसभा सांसद तीरथ सिंह रावत और उनकी धर्मपत्नी डॉ. रश्मि त्यागी रावत सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात प्राइमरी विंग के बच्चों ने न काटो मुझे दुःखता है.., तारे जमीन पर.., एक दिन बिक जायेगा माटी के मोल.., आदि गानों के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा और देश भक्ति की भावना को उजागर किया। वहीं जूनियर वर्ग की बालिकाओं ने असम की संस्कृति को उजागर करते हुए बिहू नृत्य पर मनमोहक

कैप्शनः वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विद्यालय की संस्थापिका स्व. ई. डब्लू. सिंह को याद किया गया। साथ ही विद्यालय की वर्तमान निर्देशिका उषा सिंह को डा. रश्मि त्यागी रावत द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि आज के छात्र ही कल के देश का भविष्य हैं। इन्हें अच्छी शिक्षा देना अभिभावकों के साथ ही विद्यालय का भी दायित्व है।

हमें छात्रों को उचित दिशा दिखानी चाहिए, ताकि वे भविष्य में देश का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य शालिनी सिंह, रजनीश शर्मा, कुंवर अजीत सिंह, कर्नल कुंवर अजय सिंह, रूपमाला सिंह, मयंक कोठारी और अजय पाल सिंह रावत सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य व प्रबंधकों सहित छात्रों के अभिभावक मौजूद रहे।

केन्द्रीय विद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव का हुआ समापन

चम्पावत(से)। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एनएचपीसी बनबसा में केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित किये गये भारतीय भाषा उत्सव का समापन आज महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्जुन एवं माल्यार्पण कर किया गया। 28 सितंबर से 11 दिसंबर तक 11 हफ्तों तक चल भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत विद्यालय में विभिन्न भारतीय भाषाओं के अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें छात्रों को नई–नई भाषाओं को सीखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। प्रार्थना सभा में प्राचार्य राजेश कुमार वत्स के द्वारा महाकवि सुब्रमण्यम भारती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।इस अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान के छात्र कार्तिकेय कडाकोटी के द्वारा सुब्रमण्यम भारती के जीवन पर प्रकाश डाला गया एवं उनके द्वारा देश की स्वतंत्रता में दिए गए योगदान के विषय में बताया । कक्षा 7 की छात्रा हया फातिमा के द्वारा एक कन्नड़ गीत प्रस्तुत किया गया।

ऑल ओवर चैम्पियन बना विद्याधर जुयाल संस्कृत भुवनेश्वरी

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीकोट स्थित सीडीएस विपिन रावत स्टेडियम में चल रही पंचम जनपद स्तरीय संस्कृत छात्र क्रीड़ा प्रतियोगिता में 31 अंकों के साथ ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत उत्तर माध्यमा विद्यालय भुवनेश्वरी पौड़ी आल ओवर चैम्पियन बनी।

जबकि 29 अंक के साथ श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर माध्यमा विद्यालय श्रीनगर उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर आयोजित कनिष्ठ और वरिष्ठ 100 मी. दौड़ में संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी चैधार रीठाखाल के अनुराग पोखरियाल और ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय के अखिलेश ममगाई ने प्रथम, 400 मी. दौड़ में संस्कृत विद्यालय चैधार रीठाखाल के वंश चौधरी और ज्वालपाधाम संस्कृत विद्यालय के सूरज गोदियाल ने प्रथम, 1500 मी. दौड़ में ब्रिगेडियर विद्याधर संस्कृत विद्यालय सितोल्स्यू पौड़ी के आयुष बलूनी, लम्बी कूद में चैधार के अनुराग, ब्रिगेडियर विद्याधर संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी के अखिलेश ममगाई ने प्रथम, ऊंची कूद में भुवनेश्वरी के आयुष घिल्डियाल, सामान्य ज्ञान में जयदयाल संस्कृत विद्यालय श्रीनगर के सक्षम प्रसाद ने प्रथम, रूद्रसूक्त मेन ज्वालपा देवी के राहुल, अष्टाध्यायी सूत्र स्मरण में भुवनेश्वरी के आयुष बलूनी, रस्सा-कस्सी में जय दयाल अग्रवाल प्रथम, बालीबॉल में स्वर्गाश्रम ट्रस्ट संस्कृत विद्यालय ने प्रथम स्थान किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल कपूर ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य शिक्षाधिकारी दिनेश चंद्र गौड़, खण्ड शिक्षाधिकारी अश्विनी रावत, क्रीडा सचिव गिरीश चंद्र डिमरी, डा. बाजश्रव आर्य, प्रेमबल्लभ नैथानी सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

दो दिवसीय सिक्योरिंग रिसर्च फंडिंग कार्यशाला शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्विद्यालय के चौरास परिसर स्थित एकेडमिक एक्टिविटी केंद्र में दो दिवसीय इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा सिक्योरिंग रिसर्च फंडिंग पर कार्यशाला का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय पेट्रोलियम संस्थान देहरादून के निदेशक डॉ. हरेन्द्र सिंह बिष्ट रहे। शुभारंभ अवसर पर डॉ. बिष्ट ने अनुसंधान के लिए अनुदान प्राप्त करने की संभावनाओं में सभी तकनीकी संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा की रिसर्च की समस्याओं के महत्व पर जोर दिया जाय। कहा कि किसी भी शोधकर्ता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह संबंधित रिसर्च प्रॉब्लम की पहचान करने में अपना कितना समय दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि क्या शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अनुसंधान प्रस्ताव सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से उपयुक्त हैं या नहीं। साथ ही कार्यशाला में एनआईटी श्रीनगर के रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी अति विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान उन्होंने पेटेंट और बौद्धिक संपत्ति के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने जी आई टैगिंग की अवधारिता पर ज़ोर देते हुए कहा की शोधकर्ताओं को स्थानीय उत्पादन के बारे में जागरूक होना चाहिए और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामाजिक सहयोग की शुरुआत करनी चाहिये। इस मौके पर इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के रोहित महर, सुरेन्द्र पुरी, भुपेन्द्र कुमार, साकेत भारद्वाज, मनीषा निगम, विवेक शर्मा, गौरव जोशी मौजूद रहे। (एजेंसी)

आईएचएमएस के छात्र राजन गुसाईं का हुआ पांच सितारा होटल में चयन

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) में होटल मैनेजमेंट की शिक्षा ले रहे छात्र राजन गुसाईं का चयन राजस्थान के एक प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल के लिए हुआ है। छात्र के पांच सितारा होटल में नौकरी लगने पर छात्रों और संस्थान प्रबंधन ने खुशी मनाई।

संस्थान के ईडी अजयराज नेगी ने बताया कि कोटद्वार सिमलचौड़ निवासी बेलम सिंह गुसाईं के होनहार पुत्र राजन गुसाईं ने वर्ष 2020 में आईएचएमएस में बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (बीएचएम) में प्रवेश लिया था। वह पहले से ही पढ़ने में होशियार रहा। संस्थान में शिक्षा लेते हुए

छात्र राजन गुसाईं

अंतिम चौथे वर्ष के दौरान संस्थान परिसर में गत 05 दिसंबर को इंटरव्यू हुआ था। इस दौरान कई दौर के इंटरव्यू के बाद छात्र का चयन प्रतिष्ठित ऑबराय होटल ग्रुप की यूनिट ट्राइडेंट जयपुर पांच सितारा होटल में बतौर गेस्ट सर्विस एसोसिएट के पद पर चयन हुआ है। 11 दिसंबर को उसने होटल में अपनी ज्वाइनिंग दे दी है। डायरेक्टर एकेडमिक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि संस्थान में शिक्षा लेने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य पाठ्यक्रम के साथ रोजगार परक शिक्षा भी दी जाती है। जिसके कारण कोर्स के अंतिम वर्ष के सभी छात्रों का संस्थान में आने वाली कंपनियों में आसानी से चयन हो जाता है।

वनों को बचाने के लिए आगे आएं ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वनों को आग से बचाने के लिए हंस फाउंडेशन की आरे से अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान फाउंडेशन ने ग्रामीणों से वनों की सुरक्षा के लिए आगे आने की अपील की। इस संबंध में सतपुली नया वैली में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विकासखंड द्वारीखाल जनपद पौड़ी गढ़वाल के नायर वैली सतपुली में वनों को बचाने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 15 ग्राम पंचायतों के फायर फाइटर वन सरपंच एंव ग्राम प्रधानो को वनों को आग से बचाने हेतु वन रेंज चैल्यूसैण वन विभाग उत्तराखंड के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। परियोजना द्वारा फायर फाइटरों को

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते ग्रामीण व अन्य।

फायर किट भी प्रदान की गयी। साथ ही प्रशिक्षण के पश्चात प्रमाण पत्र दिए गए। वनाग्नि प्रशिक्षकों में वन दरोगा सुरमान सिंह, वन बीट अधिकारी मुकुल कुमार, फाउंडेशन के परियोजना समन्वयक सतीश चंद्र बहुगुणा, संजय बजवाल, गिरीश खारोला, नीलम रावत, संगीता देवी, अंजू रावत आदि मौजूद रहे।

21 से शुरू होगी रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला

श्रीनगर गढ़वाल : देवलगढ़ में विगत वर्षों की भांति स्व. एचएस खत्री मेमोरियल रस्साकशी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला 21 दिसम्बर से शुरू होगा। मेले को लेकर श्री राजराजेश्वरी मंदिर परिसर में देवलगढ़ क्षेत्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में अध्यक्षता करते हुए कुंजिका प्रसाद उनियाल ने कहा कि 21-22 दिसम्बर को हेनबराइंका देवलगढ़ में स्व. एचएस खत्री मेमोरियल स्साकशी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधान संघ खिर्सू के अध्यक्ष बृजमोहन बहुगुणा, खण्ड शिक्षाधिकारी खिर्सू अश्वनी रावत, राइंका देवलगढ़ के प्रधानाचार्य द्वारा किया जायेगा। कहा कि मेले में महिला और पुरूष वर्ग की रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। साथ ही 22 दिसम्बर को क्षेत्र स्तर के कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं की भी प्रतियोगिता होगी। उन्होंने बताया कि महिला और पुरुष वर्गों में विजेता व उपविजेता टीमों को स्मृति चिन्ह, तीन किलो जलेबी के साथ इक्कीस सौ नकद पुरुस्कार व द्वितीय स्थान पाने वाली टीमों को ग्यारह-ग्यारह सौ नकद व दो किलो जलेबी दी जाएगी। तृतीय स्थान पाने वाली टीमों को एक-एक किलो जलेबी सांत्वना पुरुस्कार दिया जायेगा। फाइनल मैच के दो सर्वोत्तम खिलाड़ियों को एक-एक किलो जलेबी दी जाएगी।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया विकसित भारत@2047 वाईस ऑफ यूथ कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित विकसित भारत@2047वाईस ऑफ यूथ कार्यक्रम में राजभवन देहरादून से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत@2047 से जुड़े आइडियाज पोर्टल का लॉच किया।

अपने वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के जीवन में, इतिहास एक मौका देता है जब राष्ट्र अपनी विकास यात्रा में तेजी से प्रगति कर सकता है। भारत में ह्यअभी अमृत काल चल रहा हैह्ल और ह्ययह भारत के इतिहास का वह कालखंड है जब देश एक लंबी छलांग लगाने जा रहा हैह्ल। उन्होंने आस–पास के कई देशों का उदाहरण दिया जिन्होंने एक निर्धारित समय सीमा में इतनी लंबी छलांग लगाई कि विकसित राष्ट्र बन गए। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यही समय है, सही समय है। उन्होंने कहा कि इस अमृत काल के प्रत्येक क्षण का उपयोग किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे भारत (इंडिया) की शुरूआत आई यानी ह्यमैंह्ल से होती है वैसी ही आइडिया यानी विचार की शुरूआत भी आई यानी ह्यमैंह्ल से होती है। इसी तरह विकास के विचार भी स्वयं के ह्यमैंह्ल से शुरू होते है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन के पश्चात राजभवन में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति, कुलपति, शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री जी पूरे विश्वास के साथ 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समस्त देशवासियों को साथ लेकर मेहनत कर रहे हैं, मुझे लगता है कि हम इस लक्ष्य को 2047 से पहले ही प्राप्त कर लेंगे। उन्होंने कहा कि समर्थ युवाओं का निर्माण सशक्त राष्ट्र की निर्माण की सबसे बड़ी गारंटी होती है, इसलिए मैं शिक्षकों से भी कहना चाहता हूँ कि वे बच्चों को स्वच्छंद वातावरण दें, उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करें, ताकि वह हमेशा कुछ नया सीखने और करने का साहस कर सकें। आज देश जैसे जैसे विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है भारत की पहचान और परंपराओं में भी दुनिया की दिलचस्पी बढ़ रही है इसलिए हमें योग, आयुर्वेद, कला संस्कृति से भी अपनी नई पीढ़ी को परिचित करवाना होगा, ताकि वे संस्कार युक्त शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व सरकार के द्वारा देश को विकसित बनाने के भाव का बीजारोपण हुआ है, और आप सब जानते हैं जो व्यक्ति पेड़ लगाता है ना, वो उसका फल नहीं खाता, बल्कि उसकी आने वाली पीढ़ी उन फलों का स्वाद चखती है, ये कार्य भी कुछ ऐसा ही है, आने वाले समय में जब देश वर्ष 2047 में प्रवेश करेगा तो आप सब अपनी मध्यवस्था में होंगे, और आज जिस बीज का रोपण हुआ है, उस बीज को विशालकाय वृक्ष के रूप में देखेंगे, उसकी छाँव में जीवन गुजर बसर कर रहे होंगे, इसलिए इस यात्रा में आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। देश की आप से भी बड़ी अपेक्षाएं हैं आप अपने अपने क्षेत्र में अभिनव पहल करते हुए आजादी के 100 वर्ष के उत्सव को उत्साह पूर्वक मनाने के लिए विकसित भारत संकल्प के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए संकल्प लें। प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के पश्चात पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 4 विभिन्न विषयों पर पैनल परिचर्चा का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न कुलपतियों द्वारा अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किये गये। प्रथम सत्र में ह्यहरितसंपन्न एवं टिकाऊ अर्थव्यवस्थाह्लह्ल विषय पर पैट्रोलियम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राम शर्मा, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामकरण सिंह, जीबी पंत विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं डीन डॉ. के. रावेरकर, एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान की प्रो. नीतू बोरा शर्मा ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने परिचर्चा के दौरान सशक्त जीडीपी, जीडीपी के साथ जीईपी एवं कृषि क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में योगदान, महिला सशक्तिकरण से आर्थिक सशक्तिकरण का वर्णन किया।

एक नजर

छात्रों और लघु उद्यमियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

उत्तरकाशी : उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड सरकार के तत्वावधान में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान गुजरात के सहयोग से संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत बीएल जुवांठा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं समेत स्थानीय छोटे लघु उद्यमियों को विशेषज्ञ तकनीकी जानकारी देकर बेहतर उद्यम रोजगार स्थापित करने का प्रशिक्षण चलाया जाएगा। गुजरात के ईडीआईआई अहमदाबाद में फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में 5 दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर आये महाविद्यालय पुरोला से डॉ. विनय नौटियाल ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में उद्यमिता के प्रति जागरूकता है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में उद्यमिता का माहौल बनाने और उद्यमि तैयार करने को लेकर अहम पहलुओं पर गहनता के साथ प्रशिक्षण में विचार विमर्श किया गया। कहा कि प्रशिक्षण उपरोक्त प्रक्रिया के तहत साइकोमेट्रिक परीक्षण से उद्यमी बनने की संभावनाओं पर एक प्रश्नावली पर विशेषज्ञ ने व्याख्यान और विमर्श किया। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में उद्यमिता में विज्ञान व तकनीकी और स्टार्टअप, इकोसिस्टम की उपयोगिता पर विचार किया गया।

पांडव लीला : देव पश्वाओं से ले रहे लोग आशीर्वाद

रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग से लगे पुनाड़ गांव में चल रही पांडव लीला में बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। हर दिन पांडव चौक दर्शकों से खचाखच भरा है। आयोजन को देखने के लिए उत्साहित धियाणी एवं प्रवासी भी बड़ी संख्या में पुनाड़ पहुंच गए हैं। इधर देव पश्वाओं से लोग हर दिन खुशहाली एवं सुख समृद्धि का अशीष ले रहे हैं। पुनाड़ पांडव चौक में पांडव लीला के दौरान अब बड़ी संख्या में दर्शक नृत्य देखने पहुंच रहे हैं। आयोजन में पांच पांडवों के साथ ही द्रौपदी, हनुमान और स्थानीय देवी देवताओं के पश्वा यहां पहुंचे दर्शकों को आशीष दे रहे हैं। हर दिन डेढ़ बजे से पांडव लीला शुरू हो रही जो शाम साढ़े चार बजे तक चल रही है। अंत में हनुमान द्वारा आकर्षक नृत्य और अपनी शक्ति को लेकर दृश्य दिखाए जा रहे हैं। उन्हें फल, प्रसाद आदि खाने के बाद पश्वाओं के प्रसाद वितरण के साथ हर दिन कार्यक्रम संपन हो रहा है। प्रतिदिन ब्राह्मणों द्वारा पूजा अर्चना के साथ इस आयोजन का शुभारंभ रहा है। पांडव नृत्य एवं शिव समिति पुनाड़ के अध्यक्ष प्रकाश गोस्वामी एवं सचिव सुनील नौटियाल ने कहा कि अभी आयोजन को लेकर काफी दिन है।

शासी परिषद की बैठक में 92.75 लाख के विकास कार्यों का अनुमोदन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक हुई। जिसमें प्रबंधन समिति द्वारा पूर्व में संस्तुत किए गए उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 69.25 लाख के 06 विकास कार्यों और अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 23.50 लाख के 04 विकास कार्यों का अनुमोदन किया गया। इस दौरान जिला खनिज न्यास निधि के अंतर्गत प्राप्त आय व्यय पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए स्वीकृत विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। ताकि जल्द से जल्द स्वीकृत विकास कायी का लाभ क्षेत्रवासियों को मिले। उन्होंने कहा कि शासी परिषद के सदस्यों से जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं उसके आधार पर जिला खनिज संस्थान न्यास मद की राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण

कार्यों के लिए किया जा रहा हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विभागों द्वारा अभी तक प्रस्ताव नहीं दिए गए है वो शीघ्र उपलब्ध करें। ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मंजूरी दी जा सके। बैठक में खनन प्रभावित उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र के अंतर्गत नन्द प्रयाग पेयजल योजना, फरखेत पेयजल योजना, राजबगठी पेयजल योजना, ल्वाणी पेयजल योजना, राइका निजमुला में सुरक्षा दीवार निर्माण, भेड ऊन और हथकरघा से बने उत्पादों की आपूर्ति श्रृखंला विकास योजनाओं का अनुमोदन किया गया। अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ढामक में निगोल नदी किनारे कोडी तोक में बाढ़ सुरक्षा कार्य, ब्लाक पोखरी के आलीसाल स्यारा तोक में चेक-डेम एवं बाढ सुरक्षा, जिला खनिज फाउंडेशन न्यास संबधित कार्यों हेतु कार्मिकों की तैनाती संबधित प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि आरपी ममगाई, बद्रीनाथ विधायक प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह नेगी, सामाजिक कार्यकत्री अंजली डिमरी सहित मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, जिला खान अधिकारी नाइजा हसन, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुलदीप गैरोला, अधिशासी अभियंता आरएस चौहान सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने ली विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत थराली के त्रिकोट व बुडजोला, नारायणबगड के सुनभी, नन्दानगर के जाखणी व बांसवाड़ा, गैरसेंण के झिंगोड व रामडा तथा दशोली के मठझडेता, रेपा व मैठाणा में शिविर आयोजित कर केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गयी और वंचित लोगों का योजना में पंजीकरण किया गया।

शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ दिलायी गयी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाकर 25 लोगों की टीवी जांच व 150 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस दौरान शिविर में 5 आयुष्मान

कार्ड बनाए गए व पीएम किसान सम्मान के 10, पीएम आवास के 3, केसीसी के 39 तथा उज्ज्वला के 13 आवेदन प्राप्त हुए।

आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति यथावत रखने की उठाई मांग

उत्तरकाशी : मुख्य वन संरक्षक उतराखंड के 2018 के बाद लगे आउटसोर्स कर्मचारियों को तत्काल हटाने के आदेश से गोविंद पशु विहार पार्क क्षेत्र एवं टौंस वन प्रभाग के दर्जनों कर्मचारियों की रोजी-रोटी संकट में है। कर्मचारियों ने इसको लेकर बैठक करते हुए विभागीय कर्मचारियों को ज्ञापन प्रेषित कर नियुक्ति को यथावत रखने की मांग की।

गोविंद पशु विहार में तैनात आउटसोर्स कर्मियों ने सोमवार को गोविंद पशु विहार उप निदेशक कार्यालय परिसर पुरोला में बैठक की। उक्त आदेश पर चर्चा कर मुख्य वन संरक्षक समेत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन प्रेषित किया। बैठक में कर्मचारियों ने बताया कि मुख्य वन संरक्षक के आदेश से टौंस वन प्रभाग के 28 व गोविंद पशु विहार के 19 आउटसोर्स कर्मचारी प्रभावित होंगे। आउटसोर्स कर्मचारी छः वर्ष से काम कर रहे हैं।

कहा कि मुख्य वन संरक्षक के दो दिन पहले किये गये आदेश के तहत 2018 के बाद आउटसोर्स से लगे कर्मचारियों को हटानें के निर्देश विभागाध्यक्षों को दिये गये जिससे गोंविदा पशु विहार क्षेत्र के 19 एवं टौंस वन प्रभाग के 28 कर्मचारी बेरोजगार हैं जायेंगे तथा परिवारों के सामने रोजी रोटी सहित बच्चों के लालन-पालन तथा फीस जमा करने आदि की समस्याएं पैदा हो जायेगी। बैठक में अरविंद चौहान, हरपाल सिंह, अमित सिंह, गजेंद्र सिंह, सावित्री, सरोज, सुमित्रा, मीमरी देवी, सावित्री, वेलपति, विजय बडोनी, सुतारू लाल, बृज मोहन राणा, राकेश रावत, योगेन्द्र सिंह, देवीदत्त व जगतलाल, सुरेंद्र सिंह, महेश कुमार आदि थे। (एजेंसी)

मंजू बहुगुणा समेत पांच शिक्षिका इनोवेटिव टीचर्स अवार्ड से सम्मानित

टिहरी : राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान सीमेट देहरादून में शैक्षिक नवाचार की चार दिवसीय कार्यशाला में जनपद टिहरी गढ़वाल से पांच अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। नवाचार को लेकर इन शिक्षिकाओं ने अपने विद्यालयों में बेहतर कामों को अंजाम दिया है।

जनपद टिहरी गढ़वाल से नवाचार उन्नयन गोष्ठी में हाईस्कूल ल्वेदन कसमोली की विज्ञान अध्यापिका राज्य योग टीम प्रभारी मंजू बहुगुणा, जूनियर विद्यालय की प्रकाशी सेमवाल, प्राथमिक विद्यालय की उषा त्रिवेदी, सरोजनी रावत और सरोजबाला को इनोवेटिव टीचर्स अवार्ड प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण वंदना गर्ब्याल द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ करने के बाद इन्हें सम्मानित किया गया। इन्होंने टीम द्वारा बच्चों के हित में दैनिक सामग्री प्रसारण, ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण, प्रश्न पत्र निर्माण, शिक्षक प्रोत्साहन आदि अनेक कार्यों को किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र मंयक का जन्म दिनांक 25/08/2023 को राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार में हुआ है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम दीपक की दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम देवन्द्र राम है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा सही व वास्तविक नाम देवेन्द्र राम दर्ज किया जाय।

देवेन्द्र राम पुत्र प्रेम राम निवासी ग्राम कसंध ग्वालदम, चमोली, उत्तराखण्ड।

(1494/21)

सम्पादकीय

गंभीर आरोप, चिंताजनक

अब कनाडा की तरह अमेरिका आरोप लगा रहा है लेकिन इस पर भारत की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है, जैसी कनाडा के आरोपों पर थी। तभी यह चिंता की बात लगती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं और आरोपों से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की एक सभ्य, उदार और लोकतांत्रिक देश की छवि प्रभावित होती है। खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश में अमेरिका द्वारा भारत के एक अधिकारी के शामिल होने का आरोप लगाना सचमुच गंभीर चिंता विषय है। अमेरिका के आरोपों पर पहली प्रतिक्रिया में भारत ने कहा है कि यह 'चिंता का विषय' है और 'भारत सरकार की नीतियों के विपरीत है'। भारत ने इस मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी भी बनाई है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार तय करेगी कि आगे क्या करना है। जिस दिन इस मामले का खुलासा 'फाइनेंशियल टाइम्स' द्वारा किया गया था उस दिन से भारत की एक आधिकारिक लाइन रही है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, ट्रैफिकिंग, हथियार कारोबारियों और चरमपंथियों के बीच का नेक्सस सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इससे लग रहा है कि भारत सरकार यह बताना चाह रही है कि अगर दुनिया के किसी देश में किसी चरमपंथी की हत्या हो रही है तो या हत्या की साजिश रची जा रही है तो उसके पीछे अपराधियों के अंतराष्ट्रीय गिरोहों के आपसी टकराव का हाथ है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में कनाडा, ब्रिटेन और पाकिस्तान में ऐसे कई अलगाववादियों और आतंकवादियों की हत्या हुई है या संदिग्ध स्थितियों में मौत हुई, जो भारत में वांछित थे। हालांकि इसके उलट भारत में यह धारणा बनाई जा रही है कि भारत विदेशों में छिपे देश के दुश्मनों का सफाया कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए भारत की सॉफ्ट स्टेट की छवि को बदलने की कोशिश हो रही है। कुछ समय पहले कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई थी। तब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो ने आरोप लगाया कि भारत की एजेंसियां इसके पीछे हैं। भारत ने न सिर्फ इसे बेतुका और आधारहीन बता कर खारिज किया, बल्कि कनाडा के साथ कूटनीतिक संबंधों में दूरी भी बनाई। अब कनाडा की तरह अमेरिका आरोप लगा रहा है लेकिन इस पर भारत की प्रतिक्रिया वैसी नहीं है, जैसी कनाडा के आरोपों पर थी। तभी यह चिंता की बात लगती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं और आरोपों से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की एक सभ्य, उदार और लोकतांत्रिक देश की छवि प्रभावित होती है।अमेरिका ने सिर्फ आरोप नहीं लगाए हैं, बल्कि वहां की एक डिस्ट्रिक्ट अदालत में एक भारतीय नागरिक के ऊपर मुकदमा भी दर्ज हुआ और कहा गया है कि साजिश रचने में शामिल रहा भारतीय नागरिक भारत की एक एजेंसी का कर्मचारी है, जो अपने को 'सीनियर फील्ड ऑफिसर' कहता है और 'सिक्योरिटी मैनेजमेंट और इंटेलीजेंस' के लिए अपने को जिम्मेदार बताता है। अमेरिकी अदालत में जिस भारतीय नागरिक पर मुकदमा दर्ज हुआ है उसका नाम निखिल गुप्ता उर्फ निक है, जिसे 30 जून को चेक गणराज्य से गिरफ्तार किया गया। जिस साजिश में उसे गिरफ्तार किया गया है वह बेहद बचकानी और हास्यास्पद है। बताया जा रहा है कि उसने पन्नू की हत्या के लिए अमेरिका में जिस व्यक्ति को संपर्क किया वह अमेरिका की सरकारी एजेंसी का ही आदमी था। उसने सारी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। इस तरह की खबरों से भारतीय एजेंसियों की भी किरकिरी होती है। बहरहाल, खबर है कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स भारत आने वाले हैं। अमेरिका इस बात से नाराज है कि भारत ने उसकी जमीन पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या कराने की साजिश रची। भारत को जल्दी से जल्दी इस मामले को स्पष्ट करते हुए यह अध्याय बंद करना चाहिए।

लाख टके का सवाल लड़ना कैसे है?

हरिशंकर व्यास

उत्तर भारत के तीन राज्यों के चुनाव नतीजे विपक्ष के लिए चेतावनी की घंटी है। चाहे बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार हों या उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव हों। सब यह मान कर बैठे थे कि उनको भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति की काट मिल गई है। सब मान रहे थे कि जाति गणना, सामाजिक न्याय और आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा इतना बड़ा है कि अब कुछ और सोचने की जरूरत नहीं है। मई में कर्नाटक के नतीजों की कांग्रेस ने भी इसी अंदाज में व्याख्या की। सिर्फ कांग्रेस नहीं तमिलनाडु में सरकार चला रही डीएमके को भी लगा कि जिस तरह 'अहिंदा' समीकरण और बजरंग दल का विरोध करके कर्नाटक में कांग्रेस भाजपा को हरा कर जीत गई उसी तरह तमिलनाडु में भी सनातन विरोध का झंडा बुलंद कर देंगे तो भाजपा को हरा देंगे। तीसरी बात विपक्षी पार्टियों को यह समझ में आ रही थी कि पुरानी पेंशन योजना की घोषणा कर देंगे और मुफ्त की वस्तुएं व सेवाएं बांट देंगे तो चुनाव जीत लेंगे। चौथी बात, विपक्षी नेता समझ रहे थे कि उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी की कार्रवाई होने से लोगों में सहानुभूति बनेगी। लेकिन ये सारे अनुमान और सोच गलत साबित हुए हैं।

जाति गिनती का एजेंडा नहीं चला है और न आरक्षण बढ़ाने की बात लोगों के दिमाग में बैठी। पुरानी पेंशन योजना की घोषणा से सरकारी कर्मचारियों के कुछ वोट जरूर कांग्रेस को मिले लेकिन आम जनता के बीच यह मुद्दा क्लिक नहीं हुआ। मुफ्त की चीजें बांटने की घोषणा भी काम नहीं आई क्योंकि भाजपा भी इसकी घोषणा कर रही है। तभी अब विपक्षी पार्टियों को इन नतीजों से झटका तो लगा है लेकिन साथ ही यह भी मैसेज है कि वे मिल कर लड़ने के बारे में सोच सकते हैं। नए एजेंडे पर विचार कर सकते हैं। अपने मुद्दे क्या होंगे, यह सोचना होगा और साथ ही यह भी सोचना होगा कि भाजपा क्या मुद्दा ला सकती है। जिस तरह से कश्मीर में कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों के लिए सीट आरक्षित करने वाले विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाक अधिकृत कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि पीओके हमारा है। उससे विपक्ष को सावधान होना चाहिए। संभव है भाजपा राष्ट्रवाद का नया मुद्दा उठाए।

सो, कह सकते हैं कि तीन राज्यों के चुनाव नतीजों से विपक्ष को नींद से जगा दिया है। विपक्षी पार्टियों को अब समझ में आ गया होगा कि भाजपा से लड़ना बहुत आसान नहीं है। सीबीआई और ईडी के छापों की मार से बेहाल विपक्ष बेचारा बन कर सहानुभूति नहीं हासिल कर सकता है और न भाजपा के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुद्दा बनाना काम आया। उलटे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार ने समूचे विपक्ष के बारे में यह धारणा बना दी है कि वह भ्रष्ट है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों की वजह से सहानुभूति बटोरने की कोशिश कहीं न कहीं पंक्चर हो जा रही है। जैसे अभी झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके परिवार से जुड़ी कंपनियों पर आयकर का छापा पड़ा तो दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी पकड़ी गई। भले मामला कारोबारी हो लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ट्विट करके इस बारे में बताया कि कैसे विपक्ष की पार्टी के एक नेता लूट कर पैसा जमा किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनता से लूटी गई पाई पाई वसूली जाएगी।

असल में पांच राज्यों के चुनाव में उन तमाम मुद्दों की परीक्षा होनी थी, जिनके दम पर लोकसभा का चुनाव लड़ा जा सकता है। विपक्ष के नजरिए से देखें तो सारे मुद्दे बहुत कमजोर साबित हुए हैं। सिर्फ एक चीज है, जो विपक्ष के लिए अच्छी हुई है वह ये है कि इससे एकजुट होकर लड़ने की जरूरत प्रमाणित है। कम से कम राजस्थान में अगर पूरा विपक्ष एक होकर लड़ा होता तो कांग्रेस जीत जाती। भाजपा और कांग्रेस के वोट में सिर्फ दो फीसदी का अंतर था। भाजपा को दो फीसदी वोट ज्यादा मिले थे। कुल 44 सीटें ऐसी थीं, जहां अन्य या निर्दलीय उम्मीदवारों को मिला वोट जीत-हार के अंतर से ज्यादा था। एक आकलन के मुताबिक अगर इन सीटों पर विपक्ष या भाजपा विरोधी पार्टियां एक होकर लड़ी होतीं तो कम से कम 30 अतिरिक्त सीटें कांग्रेस जीत सकती थी। यानी उसे पिछली बार जितनी सीटें मिल सकती थीं। लेकिन कांग्रेस ने न हनुमान बेनिवाल की पार्टी से बात की, न सपा, बसपा और आप से बात की और न भारतीय आदिवासी पार्टी से बात की। अगर इन पार्टियों को कुछ सीटें देकर कांग्रेस ने तालमेल किया होता तो राजस्थान की तस्वीर अलग होती।

मध्य प्रदेश में तो कांग्रेस बहुत ज्यादा वोट के अंतर से हारी है लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस टक्कर दे सकती थी या जीत सकती थी। वहां भी बसपा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के उम्मीदवारों को ठीक ठाक वोट मिले हैं। सो, पांच राज्यों के चुनाव नतीजों में विपक्ष के सामने यह स्पष्ट हो गया है कि एकजुट होकर भाजपा के हर उम्मीदवार के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की जो पुरानी योजना है, जिसके लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का गठन हुआ है उस पर अमल किए बिना काम नहीं चलेगा।

कांग्रेस और विपक्ष की बाकी सभी पार्टियों के सामने भी यह जरुरत प्रमाणित हो गई है। सो, कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के लिए दो सबक हैं। पहला तो यह है कि मुद्दों को धार देनी होगी। अगर लोकसभा चुनाव में उन्हीं मुद्दों पर लडना है, जिन पर पांच राज्यों में विपक्ष ने चुनाव लड़ा है तो वह पर्याप्त नहीं है। दूसरा सबक यह है कि एकजुट होकर हर सीट पर एक विपक्षी उम्मीदवार उतारना होगा।

अमेरिका सचमुच गंभीर है

साफ है कि अमेरिका पन्नूं मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत भी इस मामले में अमेरिका को संभवतः वैसी चुनौती नहीं देना चाहता, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ भारतीय जांच की रिपोर्ट पर निर्भर है।

खालिस्तानी कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की कथित कोशिश के मामले में अमेरिका भारत के प्रति कोई रियायत बरतने के मूड में नहीं दिखता। लगभग रोजमर्रा के स्तर पर वहां के सरकारी अधिकारी या प्रवक्ता ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनका सार यह होता है कि अमेरिका इस मामले में दबाव बनाए हुए है। ताजा बयान अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर का है, जिन्होंने कहा है कि अमेरिका ने यह मसला सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तरों पर उठाया है। मिलर ने यह भी साफ कर दिया कि अमेरिका ने पन्नूं के मामले को कनाडा में हुई खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से जोड़ दिया है। मैथ्यू ने यह अमेरिकी रुख दोहराया कि उनके देश ने भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने का 'अनुरोध' किया है।

इस मामले में भारत में कराई जा रही जांच का स्वागत करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें इसके नतीजे का इंतजार रहेगा। मिलर ने भी इसका जिक्र किया और कहा- 'भारत ने इस मामले की जांच का सार्वजनिक एलान किया है। हम इसके नतीजों का इंतजार करेंगे, लेकिन यह एक ऐसा मामला है, जिसे हम बहुत गंभीरता से लेते हैं।' इसी बीच ये खबर आई है कि अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर ए व्रे इस जांच की समीक्षा करने के लिए 11-12 दिसंबर को भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान मुलाकात एनआईए के प्रमुख दिनकर गुप्ता से होगी। इसके पहले इसी हफ्ते अमेरिका के प्रमुख उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर भारत आए। हालांकि उनकी यात्रा का घोषित मकसद महत्वपूर्ण एवं उभरती तकनीक के मामले में भारत-अमेरिका पहल की समीक्षा करना था, लेकिन अमेरिका ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस दौरान पन्नूं मामले को भी फाइनर ने उठाया। तो साफ है कि अमेरिका इस मामले की तह तक जाने को लेकर अडिग है। भारत सरकार भी इस मामले में अमेरिका को संभवतः वैसी चुनौती नहीं देना चाहती, जैसा उसने कनाडा के मामले किया था। ऐसे में अब सब कुछ जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष पर निर्भर हो गया है।

इजरायल–हमास युद्ध के खात्मे को लेकर अमेरिका अस्पष्ट

वाशिंगटन ,एजेंसी । युद्धविराम के लिए यूएनएससी प्रस्ताव को वीटो करने के बाद भी अमेरिकी सरकार को अभी भी इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि इजरायल–हमास युद्ध अंत तक कैसे चलेगा। लेकिन बाइडेन सरकार संघर्ष और दीर्घकालिक शांति के उचित और टिकाऊ समाधान के रूप में इज़राइल के साथ–साथ एक अलग फिलिस्तीनी राज्य की आवश्यकता को पहचानने के लिए इज़राइल पर दबाव डाल रही है। युद्ध के साठ दिन बाद, अमेरिका अभी भी स्पष्ट नहीं है कि लड़ाई कैसे समाप्त होगी और यह कितने समय तक चलेगी। यह बात राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कही। ब्लिंकन ने कहा, हमने इज़राइल के साथ चर्चा की है, इसमें हमास के खिलाफ जारी अभियान पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, लेकिन हमास को भी निर्णय लेने हैं। वह कल नागरिकों के पीछे छुपकर बाहर आ सकता है। वह कल अपने हथियार डाल सकता है। वह कल आत्मसमर्पण कर सकता है और यह खत्म हो जाएगा। इजराइल और हमास के बीच गोलीबारी में फंसे फिलीस्तीनियों को भोजन, पानी और अन्य बुनियादी सामानों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

कैप्टन फातिमा वसीम ने रचा इतिहास, सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात होने वाली पहली मेडिकल अफसर बनीं

नई दिल्ली ,एजेंसी। कैप्टन फातिमा वसीम ने सियाचिन ग्लेशियर पर ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली महिला मेडिकल ऑफिसर बनकर इतिहास रच दिया है। सियाचिन बैटल स्कूल में कठोर ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उन्हें 15200 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनाती मिली थी। भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कैप्टन फातिमा वसीम से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें लिखा कि सियाचिन वॉरियर्स की कैप्टन फातिमा वसीम, सियाचिन ग्लेशियर पर ऑपरेशनल पोस्ट पर तैनात होने वाली पहली मेडिकल ऑफिसर बन गई हैं।

केंद्र के खिलाफ किसानों ने मुंबई–आगरा हाईवे किया जाम, खुद शरद पवार भी विरोध–प्रदर्शन में हुए शामिल

नासिक ,एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार प्याज निर्यात पर केंद्र के प्रतिबंध के विरोध में आयोजित किसानों के प्रदर्शन में शामिल हुए। 83 वर्षीय पवार कई पार्टी नेताओं के साथ दोपहर में चंदवाड शहर में प्याज उत्पादकों के विरोध–प्रदर्शन में शामिल हुए, जिसमें हजारों स्थानीय किसानों ने भाग लिया।

चार साल में यह पहली बार है कि राज्यसभा सदस्य पवार किसी आम सार्वजनिक मुद्दे के लिए सीधे मैदान में आंदोलन में भाग लिया। पिछले कुछ महीनों से, स्थानीय बाजारों में प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र द्वारा 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ किसान आंदोलन कर रहे हैं। नासिक और अन्य हिस्सों में किसान निर्यात प्रतिबंध को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले कुछ महीनों से एपीएमसी में हड़ताल के साथ नियमित विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं।विभिन्न दलों के राजनेताओं ने कहा है कि मानसून में असमान बारिश के साथ सूखे जैसी स्थिति और हाल ही में बेमौसम बारिश/ओलावृष्टि से सर्दियों में फसलें बर्बाद होने के मद्देनजर निर्यात प्रतिबंध दोहरी मार साबित हुआ है।नवंबर 2019 में, भाजपा के देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री और अलग हुए नेता के रूप में शपथ ग्रहण समारोह के बाद, अनुभवी मराठा (तत्कालीन) नवगठित महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को बचाने के बेताब प्रयासों में पूरी ताकत से कूद पड़े थे।

राज्यसभा में जमकर बरसे अमित शाह, अनुच्छेद 370 पर 'सुप्रीम' फैसले को लेकर विपक्ष को जमकर घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राज्यसभा में जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 पर चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण दिन है। ऐसा इसलिए क्योंकि आज दोनों विधेयक पारित हो जाएंगे और यह जम्मू–कश्मीर और भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। आज सुप्रीम कोर्ट ने भी जम्मू–कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक 2019 के पीछे की मंशा, इसकी संवैधानिक वैधता और प्रक्रिया को बरकरार रखा है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। अगर अनुच्छेद 370 इतना उचित और इतना जरूरी था तो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने इसके आगे अस्थायी शब्द का उपयोग क्यों किया? जो लोग कहते हैं कि अनुच्छेद 370 स्थायी है, वे विधानसभा और संविधान की मंशा का अपमान कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है

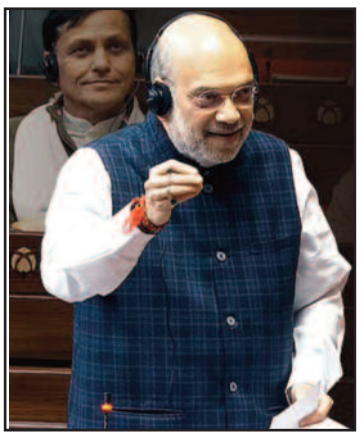

कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था यानी याचिकाकर्ता का यह दावा कि अनुच्छेद 370 को कभी हटाया नहीं जा सकता, इसे सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा कि परसों भी कई सवाल उठाए गए। लोकसभा में कहा गया कि बिल लंबित है और जल्दबाजी में लाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट न्याय करेगा और हमें इसका इंतजार करना चाहिए। ये सभी स्टैंड न्याय के लिए नहीं, बल्कि पीएम मोदी की ओर से लिए गए फैसलों को रोकने के लिए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि राज्यपाल शासन और राष्ट्रपति शासन की घोषणाओं को चुनौती देना ठीक नहीं है। जब अस्थायी प्रावधान किया गया तो सवाल उठा कि अगर यह अस्थायी है तो इसे हटाया कैसे जाएगा? इसलिए अनुच्छेद 373 के अंदर यह प्रावधान डाला गया कि राष्ट्रपति धारा 370 में संशोधन कर सकते हैं, उस पर प्रतिबंध लगा सकते हैं और उसे संविधान से पूरी तरह बाहर भी कर सकते हैं।

ेंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी आ गया है। फिर भी कांग्रेस के नेता कहते हैं कि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं और वे मानते हैं कि धारा 370 को गलत तरीके से हटाया गया। मैं उन्हें यह नहीं समझा सकता कि वास्तविकता क्या है? अनुच्छेद 370 ने अलगाववाद को बढ़ावा दिया और अलगाववाद के कारण आतंकवाद को बढ़ावा मिला।

एक गलत फैसला हो सकता है, लेकिन जब इतिहास और समय यह साबित कर दे कि वह फैसला गलत है तो राष्ट्रहित की ओर लौटना चाहिए। मैं अब भी कहता हूं, वापस आ जाओ नहीं तो अब कितने (सदन के लिए चुने गए सांसद) बचे हैं, वह भी नहीं रहेंगे। अगर आप आज भी इस फैसले पर कायम रहना चाहते हैं तो जनता देख रही है– 2024 में मुकाबला होगा और पीएम मोदी तीसरी बार पीएम बनेंगे।

अमित शाह ने कहा कि पहले जम्मू में 37 सीटें थीं, अब नए परिसीमन आयोग के बाद 43 सीटें हो गई हैं। पहले कश्मीर में 46 सीटें थीं, अब 47 हैं और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 24 सीटें आरक्षित कर दी गई हैं, क्योंकि ढङ्कड हमारा है। मैं फिर से कह रहा हूं कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीरभारत का है, हमारा है और इसे हमसे कोई नहीं छीन सकता।

अनुच्छेद 370 को लेकर न्यायालय के फैसले पर कांग्रेस ने जताई असहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के मोदी सरकार के फैसले को उच्चतम न्यायालय ने जिस तरह से सही ठहराया है पार्टी सम्मानपूर्वक उससे असहमति व्यक्त करती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदम्बरम तथा अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर आए उच्चतम न्यायालय के फैसले पर असहमति जताई और कहा कि पार्टी की सवीच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति का संकल्प है कि अनुच्छेद 370 तब तक सम्मान के योग्य है जब तक कि इसे भारत के संविधान के अनुसार संशोधित नहीं किया जाता। श्री चिदम्बरम ने कहा, "हम इस फैसले की इस बात से भी निराश हैं कि शीर्ष न्यायालय ने राज्य को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के प्रश्न पर निर्णय नहीं लिया। कांग्रेस ने हमेशा जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के केंद्र के फैसले का विरोध कर जम्मू कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की है। हम इस संबंध में आए शीर्ष अदालत

के फैसले का स्वागत करते हैं कि जम्मू–कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना चाहिए और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाएं भी पूरी होनी चाहिए।"

उन्होंने विधानसभा चुनाव कराने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया और कहा कि राज्य में तत्काल विधानसभा चुनाव कराए जाने चाहिए। उनका कहना था कि आजादी के बाद भारत में विलय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद से जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। जम्मू–कश्मीर के लोग भारतीय नागरिक हैं और कांग्रेस राज्य की सुरक्षा, शांति, विकास और प्रगति के लिए काम करने के अपने संकल्प को दोहराती हैं। श्री सिंघवी ने कहा, "हम उच्चतम न्यायालय के निर्णय के सामने नतमस्तक हैं, लेकिन देश के एक आम नागरिक की हैसियत से कह सकता हूं कि इस निर्णय में एक विरोधाभास है। फैसले में यह नहीं कहा गया है कि आखिर एक प्रदेश का दर्जा घटाकर उसे केंद्र शासित प्रदेश क्यों बनाया गया है जबकि दूसरी तरफ न्यायालय लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले को वैद्य मानता है। एक ही प्रदेश के एक हिस्से को केंद्र शासित प्रदेश बनाने को लेकर कोई निर्णय नहीं देना और फिर उसी राज्य के दूसरे हिस्से को केंद्र शासित प्रदेश बनाने को सही बताना विरोधाभास है। यह संवैधानिक गलती दिख रही है। फैसले में एक तरफ सरकार के आश्वासन को माना गया है और दूसरी तरफ अगले सितम्बर तक चुनाव कराए जाने का निर्णय दिया है।"

उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में बेरोजगारी 18 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी की दर आठ प्रतिशत है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगोरी 31 प्रतिशत जबकि महिलाओं में 51 प्रतिशत है। जम्मू–कश्मीर में विनिवेश 2021–22 में पहले वित्त वर्ष की तुलना में काफी कम है।

मध्यप्रदेश में अब से मोहन 'राज', जगदीश–राजेंद्र बनेंगे डिप्टी सीएम, 14 को हो सकती है शपथ

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के भावी मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। खबर आ रही है कि 14 दिसंबर को नई सरकार शपथ लेगी। मोहन यादव के साथ कुछ ही नेता फिलहाल शपथ लेंगे। उसके बाद मंत्रिमंडल को विस्तार दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा के साथ ही कुछ मंत्री शपथ ले सकते हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि केंद्रीय राजनीति से प्रदेश में लाए गए प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और शिवराज सिंह चौहान की अगली सरकार में क्या भूमिका रहेगी? आने वाले दिनों में स्थिति साफ हो सकती है। पार्टी का पूरा फोकस अब राष्ट्रीय राजनीति यानी 2024 के लोकसभा चुनावों पर होगा और पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करने पर रहेगा। पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में छिंदवाड़ा छोड़कर राज्य की 29 में से 28 सीटों पर जीत हासिल की थी।

यह सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं, आशा की नई किरण के साथ उज्ज्वल भविष्य का वादा: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना की और कहा कि यह फैसला एक मजबूत और अधिक एकजुट भारत के निर्माण की आशा की किरण है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच–न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सर्वसम्मति से उस संवैधानिक आदेश को वैध ठहराए जाने के बाद आई, जिसने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और इससे जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा निष्प्रभावी हो गया।

श्री मोदी ने एक्स पर कहा कि आज का फैसला सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं है, बल्कि यह आशा की किरण होने के साथ ही उज्जवल भविष्य का वादा है तथा एक मजबूत और अधिक एकजुट भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। उच्चतम न्यायालय के फैसले को 'ऐतिहासिक' बताते हुए उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक रूप से 05 अगस्त, 2019 को संसद द्वारा लिए गये फैसले को बरकरार रखता है। यह जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है।

न्यायालय ने अपने गहन ज्ञान से एकता के मूल तत्व को मजबूत किया है, जिसे हम भारतीय होने के नाते सबसे अधिक महत्व देते हैं।

नजरबंदी की खबरें अफवाह, उपराज्यपाल बोले–जम्मू कश्मीर में किसी भी नेता को नहीं किया गया नजरबंद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में मुख्यधारा की दो पार्टियों ने अनुच्छेद 370 पर उच्चतम न्यायालय के फैसले से पहले सोमवार को आरोप लगाया कि उनके पार्टी प्रमुखों को नजरबंद कर दिया गया है जबकि सरकार और पुलिस ने इन आरोपों से इनकार किया है। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नजरबंदी को अफवाह करार देते हुए कहा, "मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि जम्मू–कश्मीर में किसी को भी नजरबंद नहीं किया गया है और न ही राजनीतिक कारणों से किसी को गिरफ्तार किया गया है।" श्रीनगर पुलिस ने भी इस बात से इनकार किया है कि किसी भी व्यक्ति को नजरबंद किया गया है। इससे पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पार्टी अध्यक्ष मुफ्ती को नजरबंद कर दिया गया है।

पीडीपी ने एक्स पर पोस्ट किया, "सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुनाए जाने

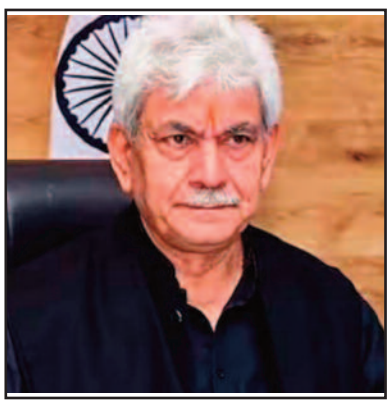

से पहले ही, पुलिस ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के आवास के दरवाजे सील कर दिए हैं और उन्हें अवैध रूप से नजरबंद कर दिया है।" इसमें बंद दरवाजों की तस्वीरें भी साझा की गईं। नेशनल कॉन्फ्रेंस की राज्य प्रवक्ता सारा हयात शाह ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को "उनके घर में बंद कर दिया गया है।" उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "श्री उमर अब्दुल्ला को उनके घर में बंद कर दिया गया है। प्रजातंत्र?"

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ 05 अगस्त, 2019 की केंद्र सरकार की कार्रवाई की वैधता पर सोमवार को फैसला सुनाएगी। श्रीनगर और अन्य प्रमुख शहर शांत रहे, सरकार स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही थी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी है और पिछले कुछ दिनों में कई नेटिज़न्स पर उनके पोस्ट के लिए मामला दर्ज किया गया है। स्थिति पर नजर रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), श्रीनगर से प्राप्त एक निर्देश के बाद अधिकारियों ने रविवार देर शाम श्रीनगर शहर में 29 नागरिक अधिकारियों को मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा काफिले की आवाजाही भी निलंबित कर दी गई है।

फ्रैंकफर्ट ने बायर्न म्यूनिख को 5–1 से रौंदा

बर्लिन ,आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट ने बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के अपराजेय क्रम को समाप्त कर दिया, क्योंकि एरिक जूनियर दीना एबिम्बे के दो गोल ने 14वें दौर में 5–1 से जीत का मार्ग प्रशस्त किया। ईगल्स ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की, जैसे कि फारेस चाइबी ने क्रॉसबार को मार दिया, इससे पहले कि उमर मामौश ने 12 मिनट के खेल में स्कोरिंग खोलने के लिए करीबी सीमा से रिबाउंड पर गोल कर दिया।

बायर्न को मुकाबले में पैर जमाने के लिए कुछ समय की जरूरत थी, और उसने अपना पहला मौका 25वें मिनट में बनाया जब हैरी केन ने आशाजनक स्थिति से बाहर मार दिया, जबकि एरिक मैक्सिम चौपो–मोटिंग चार मिनट बाद फ्रैंकफर्ट के गोलकीपर केविन ट्रैप को तंग कोण से नहीं हरा सके। यह मेजबान टीम ही थी जिसने पिच के दूसरे छोर पर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। दीना एबिम्बे ने बायर्न के डिफेंडरों अल्फोंसो डेविस और डेयोट उपामेकानो को पीछे छोड़ दिया और फिर आधे घंटे की समाप्ति पर गोलकीपर मैनुअल नेउर को करीब से हराया।

अथक फ्रैंकफर्ट ने इसे तीन पांच मिनट बाद बनाया, क्योंकि ह्यूगो लार्सन ने जोशुआ किमिच के गलत पास को रोकने के बाद पलटवार किया। बवेरियन ने पहले हाफ के समापन चरण में जीवन के संकेत दिखाए जब किमिच ने लेरॉय साने से 18 मीटर से ऊपरी दाएं कोने में एक पास ड्रिल किया। बायर्न के दोबारा शुरू होने के बाद हालात बद से बदतर होते चले गए। दीना एबिम्बे ने उपामेकानो को बेदखल कर दिया और बॉक्स के अंदर से अपना डबल पूरा किया, जिससे 50वें मिनट में स्कोरबोर्ड पर स्कोर 4–1 हो गया।

बायर्न प्रतिरोध नहीं कर सका, जबकि फ्रैंकफर्ट ने स्कोरिंग पूरी नहीं की और अंसार नॉफ के माध्यम से खेल को घंटे के निशान पर समाप्त कर दिया। परिणाम के साथ, बायर्न ने स्टैंडिंग के शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया, जबकि फ्रैंकफर्ट सातवें स्थान पर रहा। बायर्न के कोच थॉमस ट्यूशेल ने कहा, हमने अच्छा नहीं खेला और बहुत सारी गलतियाँ कीं, और हमें कड़ी सजा मिली। अब हमें खुद से सवाल करना होगा कि यह कैसे संभव है कि हम इस तरह का खेल शुरू करें।अन्य मैचों में, यूनियन बर्लिन मोनचेंग्लादबाक को 3–1 से हराकर जीत की राह पर लौट आया; लीपजिग् 10–पुरुषों वाले बोरूसिया डॉर्टमुंड से 3–2 से आगे हो गया; फ्रीबर्ग ने वुल्फ्सबर्ग की हार का क्रम बढ़ा दिया क्योंकि माइकल ग्रेगोरित्च का गोल तीनों अंक हासिल करने के लिए पर्याप्त था; वेर्डर ब्रेमेन ने ऑग्सबर्ग को 2–0 से हराया; और हेडेनहाइम ने नवागंतुकों के मुकाबले में डार्मस्टेड को 3–2 से हरा दिया। शुक्रवार को हॉफेनहाइम ने बोचुम के पांच मैचों के अजेय क्रम को 3–1 पर रोक दिया।

मैच प्रीव्यू : जीत की पटरी पर सवार डीएफसी का सामना अब श्रीनिधि डेक्कन के साथ

चंडीगढ़ , आईलीग सीजन 2023–24 में जीत की पटरी पर सवार डीएफसी का 9वें लीग मैच में सामना सोमवार को श्रीनिधि डेक्कन के साथ होगा। ये डीएफसी का अवे मैच है और टीम शाम को 7 बजे से एक्शन में होगी।

डीएफसी शानदार लय में है और टीम ने अपने पिछले दो मुकाबले जीते हैं। 5 दिसंबर को टीम ने नामधारी एफसी को उसी के घर में 2–1 से हराया और इससे पहले अपने घर में खेलते हुए चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ 2–1 से जीत हासिल की। वहीं, श्रीनिधि डेक्कन का पिछले दो मुकाबलों में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। 7 दिसंबर को टीम ने रियल कश्मीर के साथ 0–0 से ड्रॉ खेला, जबकि मोहम्मडन एससी के खिलाफ 2–1 की हार का सामना किया।

डीएफसी के लिए ये मैच बेहद जरूरी है। यहां पर जीत दर्ज करने के बाद टीम फिर से टॉप–5 में अपनी जगह बना लेगी। टीम ने 8 मुकाबलों में से 4 जीते हैं, जबकि 1 ड्रॉ करने के बाद 3 में हार का सामना किया। टीम 13 अंक के साथ 7वें पायदान पर है। श्रीनिधि डेक्कन की स्थिति बेहतर है। टीम ने 9 मैच में से 5 जीते हैं, जबकि 2 ड्रॉ और 2 हार का भी उन्हें सामना करना पड़ा। 17 अंक के साथ टीम मौजूदा अंक तालिका में तीसरे पायदान पर है।

डीएफसी गोल करने में काफी बेहतर है और कोच यॉन लॉ की टीम ने लगातार हाई स्कोरिंग मुकाबले खेले हैं। डीएफसी ने अभी तक 8 मुकाबलों में 19 गोल दागे हैं और उनका अटैक लगातार टीम को सफलता दिला रहा है। श्रीनिधि डेक्कन ने 9 मैचों में 21 बार बॉल को गोलपोस्ट में पहुंचाया है। उनका डिफेंस मजबूत है और 8 ही गोल उनके खिलाफ हुए हैं। दोनों ही टीमें पूरी ताकत के साथ मुकाबले में उतरेंगी और जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगी।

कोलंबिया ने वेनेजुएला को फ्रेंडली मैच में 1–0 से रौंदा

फोर्ट लॉडरडेल , कोलंबिया ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां एक फ्रेंडली मैच में दक्षिण अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी वेनेजुएला पर 1–0 से जीत दर्ज की।

वेनेजुएला के सेंट्रल डिफेंडर एंड्रेस फेरो ने हाफ टाइम से ठीक पहले कैफेटेरोस को बढ़त का तोहफा दिया जब उन्होंने अनजाने में गेंद को अपने नेट की ओर टर्न दे दिया।

फिर, कोलंबिया ने मैच पर नियंत्रण बना लिया और वेनेजुएला को स्कोर करने का कोई मौका नहीं दिया।

इस रिजल्ट से कोलंबिया का पिछले साल सितंबर से अब तक का अजेय क्रम 14 मैचों तक बढ़ा गया है।

नेस्टर लोरेंजो की टीम अब अपना ध्यान अगले लॉस एंजिल्स में मेक्सिको के खिलाफ एक और फ्रेंडली मैच पर केंद्रित करेगी।

यह मैच फीफा की आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय विंडो के बाहर हैं। जिसका अर्थ है कि क्लब अपने खिलाड़ियों को रिलीज़ करने के लिए बाध्य नहीं हैं।

वूमेंस क्रिकेटर काशवी देश की सबसे महंगी क्रिकेटर बनी गुजरात, जॉयंट्स ने 2 करोड़ में खरीदा

चंडीगढ़ , शहर की वूमैंस क्रिकेटर काशवी गौतम वूमैंस प्रीमियर लीग में देश की सबसे मंहगी क्रिकेटर बनी, उनको सीजन 2024 के लिए गुजरात जायंट्स ने ऑक्शन में 2 करोड़ रूपए देकर अपनी टीम में शामिल किया। उनके बेस प्राइज 10 लाख से तकरीबन 20 गुना अधिक मूल्य है, काशवी जहां यूटीसीए चंडीगढ़ टीम में ऑलराऊंडर की भूमिका निभाती है, वही इंडिया टीम में निचले क्रम में बल्लेबाजी व गेंदबाजी से विपक्षी टीम को धरासाई करती है।

ऑक्शन के संबध में जब काशवी गौतम से बात की गई तो उन्होने बताया कि वह काफी उत्साहित थी और टेलीवीजन पर ऑक्शन देख रही थी। ऑक्शन के बाद उन्होंने इसके बाद सीधे कोच नागेश गुप्ता से बात की और अपने पिता सुदेश गौतम को इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वह मुबंई में अंडर–23 का टूर्नामैंट खेलने के लिए पंहुची हुई है। इसके साथ उनके कोच नागेश गुप्ता ने कहा कि यह काशवी की लग्न व मेहनत का फल है।

अंडर–19 में बना चुकी हैं 10 विकेट लेने का रिकार्डः काशवी गौतम के नाम कई रिकार्ड भी दर्ज है, काशवी ने अंडर–19 वूमैंस मुकाबले में अरूणाचल प्रदेश के साथ जहां उन्होने 10 विकेट झटकी वही नाबाद 49 रनों की पारी भी खेली। इसके साथ ही अंडर–23 वनडे टीम में भी अपनी गेदबाजी का लोहा मनवा रही हैं। उन्होने चंडीगढ़ टीम को क्वालीफाई राऊंड में पंहुचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। काशवी गौतम ने अंडर–23 में 9 मैचो में 31 विकेट झटक चुकी हैं। इसके साथ ही बैड्क्षटग से भी टीम को योगदान दी हैं।

उन्होने लीग मैचो में 180 रन बना चुकी हैं। इसके साथ अंडर–23 टी–20 मुकाबले में भी बेहतरीन गेंदबाजी की थी। उन्होने 15 विकेट झटकी थी। इसके साथ ही काशवी ने इस साल सिनियर वूमैंस टीम में खेलते हुए बी.सी.सी.आई.के 7 मैचो में 12 विकेट झटक चुकी है,जबकि नोर्थ जोन वूमैंस में काशवी गौतम ने 1 मैच में हैट्रीक के साथ 5 विकेट झटकी थी।

पहली बार खेलेगी वूमैंस प्रीमियर लीगः

काशवी गौतम का नाम 2023 में भी ऑक्शन में गया था, लेकिन उसबार उनका कोई खरीदार नहीं था। लेकिन सीजन 2023–24 डोमेस्टिक व इंडिया–ए टीम में बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद उनको ऑक्शन में इतने रूपए दिए गए। काशवी ने इंडिया–ए की तरफ से खेलते हुए इंग्लैंड–ए के खिलाफ 2 मैचों में 3 विकेट झटके इसके साथ ही टीम को जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आईबीए ने चार नए राष्ट्रीय महासंघों की सदस्यता को मंजूरी दी

दुबई ,इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) ने आयोजित अपनी वार्षिक कांग्रेस में चार नए महासंघों की सदस्यता को मंजूरी दे दी, जबकि तीन संगठनों की सदस्यता समाप्त कर दी गई। आईबीए से इस्तीफे के बाद नए नेतृत्व के तहत स्विस बॉक्सिंग की वापसी का स्वागत करते हुए 170 से अधिक राष्ट्रीय महासंघ के सदस्यों ने मतदान किया, एक दिशा जिसे बाद में उनकी पिछली आम सभा में उलट दिया गया था।इसके अलावा, यूएसए बॉक्सिंग की असंबद्धता के बाद प्रसिद्ध रॉय जोन्स जूनियर के नेतृत्व में एक नया संगठन, यूएस बॉक्सिंग फेडरेशन का गठन किया गया था।

आईबीए की विज्ञप्ति के अनुसार, नॉरफ़ॉक आइलैंड बॉक्सिंग एसोसिएशन और तुवालु एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन को स्वीकार किए जाने पर ओसनिया को दो नए सदस्य मिले।आईबीए कांग्रेस द्वारा जिन तीन संगठनों की सदस्यता समाप्त कर दी

गई। वे हैं चेक बॉक्सिंग एसोसिएशन, जर्मन बॉक्सिंग एसोसिएशन और डच बॉक्सिंग फेडरेशन।इन समाप्ति के बाद, आईबीए प्रमुख उमर क्रेमलेव ने कहा कि आईबीए उन देशों के अन्य संगठनों का स्वागत करेगा जो अब शासी निकाय से जुड़े नहीं हैं।क्रेमलेव ने कहा, मुक्केबाजी परिवार का हिस्सा बनने वाले देशों में हमारा स्वागत है, लेकिन दुर्भाग्य से कई देशों में हमें मुक्केबाजी संघों के साथ समस्याएं हैं। हमने संस्थाओं पर निर्णय लिए, लेकिन देशों पर नहीं। हमारे पास पहले से ही ऐसे उम्मीदवार हैं जो यूएस बॉक्सिंग फेडरेशन की तरह आईबीए सदस्यता के लिए आवेदन करना चाहते हैं। हम उन देशों के उम्मीदवारों के लिए खुले हैं जो आईबीए छोड़ देते हैं या जो कांग्रेस के फैसले से समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा, आईबीए महासचिव और सीईओ क्रिस रॉबर्ट्स ओबीई ने 2024 के लिए इवेंट कैलेंडर की घोषणा की, जिसमें 16 चैंपियंस नाइट्स पेशेवर प्रारूप की लड़ाई शामिल करने की योजना है। जो इस साल 10 से अधिक है। जग्रेब 13 जनवरी को इनमें से पहली की मेजबानी करने वाला है।रॉबर्ट्स ने आईबीए चैंपियंस नाइट के माध्यम से एथलीटों को व्यावसायिकता में लाने के लिए मुक्केबाजों और अधिकारियों के साथ अनुबंध हासिल करने के बारे में भी बात की।आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप कजाकिस्तान के अस्ताना में होनी है। जिसमें आर्मेनिया आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप पर बातचीत कर रहा है, जिसने पहले इस साल आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप आयोजित की थी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com